राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल की अध्यक्षता में
खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना के बोर्ड की बैठक आयोजित हुई

पटना, 05 मार्च 2021

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में आज राजभवन के सभाकक्ष में खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी बोर्ड की बैठक आयोजित हुई जिसमें राज्यपाल के सचिव श्री रॉबर्ट एल॰चोंग्थू, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त श्री संजय कुमार अग्रवाल, राज्य के शिक्षा विभाग के सचिव श्री असंगबा चुबा आओ, भारत सरकार के संस्कृति विभाग के निदेशक (पुस्तकालय) श्री सी॰ गंगाधरन, राजभवन के संयुक्त सचिव श्री राम अनुग्रह नारायण सिंह, खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी की निदेशक डॉ॰ शाइस्ता बेदार सहित बोर्ड के कई अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना के विकास एवं आधुनिकीकरण के लिए हर संभव प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी के आधुनिकीकरण एवं डिजिटीकरण (Digitization) हेतु सर्वाधिक ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि यहाँ उपलब्ध दुर्लभ पांडुलिपियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें अधिक उपयोगी एवं जनसुलभ बनाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि मौजूदा समय की जरूरतों के मुताबिक नये मानव संसाधनों एवं कार्य–बल की कमी का मूल्यांकन करते हुए पुराने अनुपयोगी पड़ चुके पदों की जगह नये तकनीकी कार्यबलों की प्रावधानों के अनुरूप व्यवस्था की जानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि पुस्तकालय के विकास हेतु वर्तमान जरूरतों का आकलन करते हुए बजटीय प्रावधान किये जाने चाहिए तथा उपलब्ध राशि का सदुपयोग होना चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पुस्तकालय में भारत की सांस्कृतिक विरासतों तथा राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सौहार्द्र के विकास से जुड़े विषयों पर राष्ट्रीय सेमिनार, विद्वानों के व्याख्यान एवं अन्य सांस्कृतिक आयोजन भी कराये जाने चाहिए। राज्यपाल ने खुदा बख्श लाइब्रेरी की वेबसाइट को भी विकसित किये जाने का सुझाव दिया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि केन्द्र सरकार से खुदा बख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी के विकास के लिए बजटीय प्रावधान बढ़ाने हेतु अनुरोध किया जाएगा।

बैठक में पुस्तकालय की निदेशक डॉ॰ शाइस्ता बेदार ने बताया कि पुस्तकालय में विगत 20 महीनों के दौरान शोध–महत्व एवं संदर्भ–महत्व के 34 प्रमुख सृजनात्मक अवदानों का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने बताया कि 34 एकेडमिक सांस्कृतिक आयोजन भी उक्त अवधि में सम्पन्न हुए हैं। निदेशक ने कहा कि अनुवाद–कार्य एवं शोध–कार्य को भी पुस्तकालय–प्रबंधन पर्याप्त प्राथमिकता प्रदान कर रहा है।

आज सम्पन्न बोर्ड की बैठक में पुस्तकालय में आधारभूत संरचना–विकास पर भी सार्थक चर्चा हुई तथा एकेडमिक एवं तकनीकी समितियों के माध्यम से इसके लिए समुचित प्रस्ताव प्राप्त करने का निर्णय लिया गया।

.....